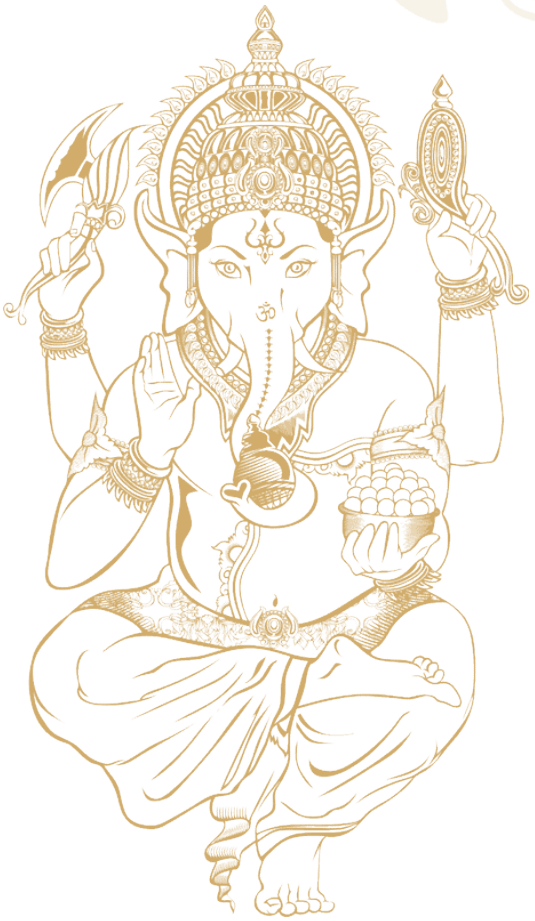

Sanjeet chakravarti

Tulika bhattacharya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120971506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/06/1996	जन्म तिथि	09/10/2000
सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:32:00	जन्म समय	13:30:00 घंटे
घटी 27:51:25	जन्म समय(घटी)	17:55:53 घटी
India	देश	India
Sonipat	स्थान	Lucknow
28:59:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:23:26	सूर्योदय	06:02:58
19:16:59	सूर्यास्त	17:43:59
23:48:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:47

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 0वर्ष 11मा 12दि		15:03:56	तुला	लग्न	मक	02:07:11	मंगल 0वर्ष 11मा 21दि	
चन्द्र		19:19:54	वृष	सूर्य	कन्या	22:28:06	गुरु	
17/05/2023		11:31:12	धनु	चंद्र	कुंभ	04:48:40	30/09/2019	
17/05/2033		29:36:07	मेष	मंगल	सिंह	20:09:08	30/09/2035	
चन्द्र	17/03/2024	27:29:37	मेष	बुध	तुला	17:35:49	गुरु	18/11/2021
मंगल	16/10/2024	22:29:39	धनु व	गुरु व	वृष	17:12:37	शनि	31/05/2024
राहु	17/04/2026	00:31:44	मिथु व	शुक्र	तुला	24:03:48	बुध	06/09/2026
गुरु	17/08/2027	11:54:39	मीन	शनि व	वृष	06:28:46	केतु	13/08/2027
शनि	17/03/2029	21:39:25	कन्या व	राहु व	मिथु	26:54:07	शुक्र	13/04/2030
बुध	16/08/2030	21:39:25	मीन व	केतु व	धनु	26:54:07	सूर्य	30/01/2031
केतु	18/03/2031	10:30:43	मक व	हर्ष व	मक	23:09:21	चन्द्र	31/05/2032
शुक्र	15/11/2032	03:37:46	मक व	नेप व	मक	09:56:17	मंगल	07/05/2033
सूर्य	17/05/2033	07:36:31	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	16:56:47	राहु	30/09/2035

लग्न-चलित

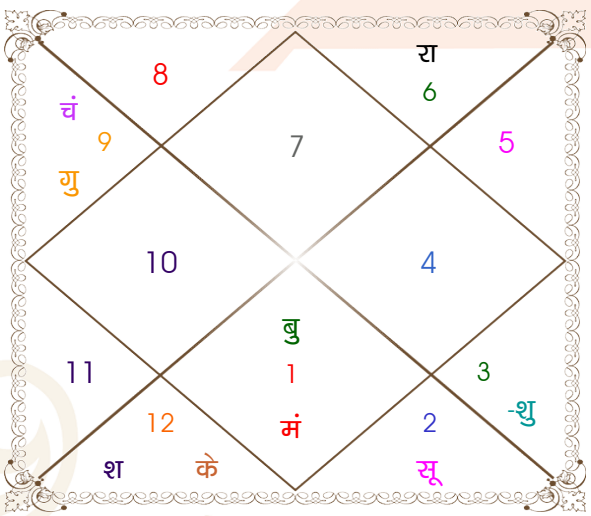

लग्न-चलित

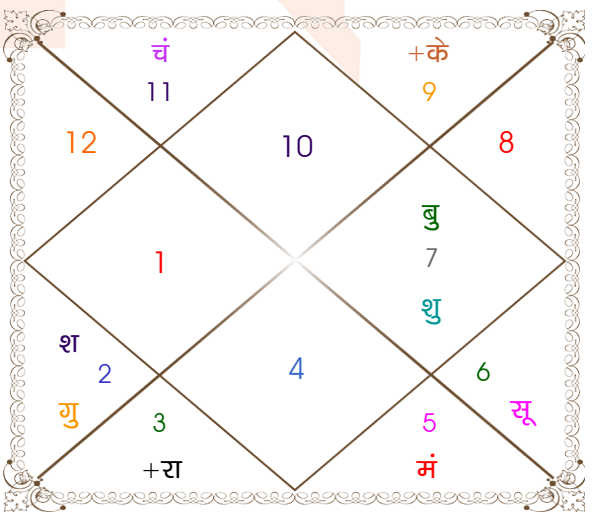

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Sanjeet chakravarti का वर्ग मूषक है तथा Tulika bhattacharya का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Sanjeet chakravarti और Tulika bhattacharya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Sanjeet chakravarti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Sanjeet chakravarti कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Sanjeet chakravarti कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Sanjeet chakravarti कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Tulika bhattacharya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Tulika bhattacharya कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Sanjeet chakravarti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Sanjeet chakravarti तथा Tulika bhattacharya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।